शब्दार्थ

अनुपमः— जिसकी उपमा न हो

अद्वितीयः— जिसके समान दूसरा न हो

उद्दामः— तीव्र

आकांक्षाः— इच्छा

उद्वेलितः— बेचैन

अंदरूनीः— भीतरी

मसखराः— हँसाने वाला, जोकर

तादाम्त्यः— एक हो जाना

आय बिल मेक क्राइस्ट लाफः— मैं ईसा को भी हँसाऊँगा

शो मस्ट गो आनः— शो जारी रहना चाहिए

अनिवार्यः— आवश्यक, जरूरी

कौतुकभराः— आश्चर्य भरा, अचम्भा

हिदायतः— सलाह

लेफ्ट नो स्टोन अनटर्न्डः— कोई कसर न छोड़ना

जद्दोजहदः— संघर्ष

ख्वाहिशः— इच्छा

दास्तानः— कहानी, किस्सा

अहमियतः— महत्व

जज्बातः— भावना

मुकामः— लक्ष्य, ऊँचाई

असीमः— जिसकी सीमा न हो